



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 25]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 22, 2000/फाल्गुन 3, 1921

No. 25]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 22, 2000/PHALGUNA 3, 1921

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2000

अंतिम जांच परिणाम

विषय : इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, थाइलैंड और ताईवान से नायलोन टॉयर कोर्ड फैब्रिक
(एन टी सी एफ) के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच—अंतिम जांच परिणाम

31/1/98-डीजीएडी.— वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क के आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. प्रक्रिया

1. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) ने दिनांक 5 अक्टूबर, 1999 की अधिसूचना द्वारा प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया था तथा हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था;
- (ii) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर प्रारंभिक निष्कर्षों के बारे में अपने विचार यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था;

- (iii) प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति इंडोनेशिया, थाइलैंड, दक्षिण कोरिया के दूतावासों तथा नई दिल्ली स्थित कल्चरल एंड इकोनोमिक सेंटर ताइवान को भी इस अनुरोध के साथ भेजी थी कि निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने-अपने विचार भेजने की सलाह दी जाए ।
- (iv) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया था । मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज करने का अनुरोध किया गया था । पार्टियों से प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां लेने और उसका खंडन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था;
- (v) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल उनके अनुरोध पर निरीक्षण हेतु उपलब्ध करवाई थी;
- (vi) प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क, जिन्हें पहले अधिसूचित किए गए प्रारंभिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया गया है, को संक्षिप्तता के कारण इसमें दोहराया नहीं गया है । परन्तु हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों पर प्रारंभिक निष्कर्षों और/या इन निष्कर्षों में उचित ढंग से विचार किया गया है;
- (vii) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष प्रकट किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया है;
- (viii) इस अधिसूचना में **** से हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना प्रदर्शित होती है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी ने उसे गोपनीय ही माना है ।

ख. याचिकाकर्ता, निर्यातक, आयातक तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार तथा प्राधिकारी द्वारा उनकी जांच

2. हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों की जांच की गई है और उन पर विचार किया गया है तथा जहाँ कहीं उचित समझा गया है, उन पर नीचे दिए गए संगत पैराग्राफों में कार्रवाई की गई है।

(ग) विचाराधीन उत्पाद

3. मौजूदा जांच में विचाराधीन उत्पाद इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, थाइलैंड तथा ताइवान मूल का है अथवा वहां से निर्यातित "नॉय लोन टॉयर कोर्ड फैब्रिक (एन टी सी एफ)" है । एन टी सी एफ का प्रयोग विभिन्न प्रकार के टायरों जैसे बस तथा ट्रक के टायरों, दुपहिया वाहन के टायरों, हल्के व्यावसायिक वाहनों, पशु चालित वाहनों आदि के टायरों में किया जाता है । एन टी सी एफ का प्रयोग गैर-टायर उद्योगों में भी किया जाता है । एन टी सी एफ भिन्न-भिन्न डेनियर्स का होता है ।

इसका वर्गीकरण सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उप-शीर्ष 5902.10.00 के तहत किया गया है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह भौजूदा जांच के कार्य क्षेत्र पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

किसी भी हितबद्ध पक्ष ने विचाराधीन उत्पाद तथा जांच के क्षेत्र विस्तार के बारे में कोई आपत्ति नहीं उठायी है। इस दृष्टि से प्राधिकारी का विचार है कि विचाराधीन उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उप-शीर्ष 5902.10.00 के तहत यथा-वर्गीकृत "नॉयलोन टायर कोर्ड फैब्रिक" है।

(घ) समान वस्तुएं

4. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा बेचा जाने वाला एन टी सी एफ तथा संबद्ध देशों से आयातित एन टी सी एफ का भारत में ग्राहकों द्वारा एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जा रहा है। समस्त विश्व में इस उत्पाद के विनिर्माण की प्रक्रिया तथा प्रौद्योगिकी संयोजकों, सामग्री की हैंडलिंग में स्वचालकता इत्यादि जैसे छिट-पुट अंतरों को छोड़कर मशीनरी, कच्ची सामग्री विनिर्माण प्रक्रिया के संबंध में एक जैसी है। इसे ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी ने अभिमत व्यक्त किया था कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किए जा रहे एन टी सी एफ तथा संबद्ध देशों से आयात किए जा रहे एन टी सी एफ का एक-दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जा सकता है, और इस प्रकार ये वाणिज्यिक और तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और इसीलिए ये नियमों के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं हैं।

5. याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए तर्क

(i) निर्यातकों तथा आयातकों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि यह जांच ग्रे-फैब्रिक तक ही सीमित होनी चाहिए। नॉयलोन 66 को बाहर रखने का कोई आधार नहीं है क्योंकि इस जांच में नॉयलोन के ग्रेड की किसी गुणवत्ता के बगैर नॉयलोन टायर कोर्ड फैब्रिक्स को शामिल किया गया है।

(ii) ग्रे-फैब्रिक तथा डिप्ड फैब्रिक के बीच अंतर केवल डिप्पिंग के बारे में ही है। इस अंतर के बावजूद भी दोनों उत्पाद तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। यदि मौजूदा जांच के क्षेत्र विस्तार से डिप्ड फैब्रिक को निकाल दिया जाता है तो डिप्ड-फैब्रिक के साथ ग्रे-फैब्रिक के आयात का प्रतिस्थापन करके समस्त जांच का उद्देश्य ही निष्फल और समाप्त हो जाएगा।

6. निर्यातकों द्वारा दिए गए तर्क

(i) नॉयलोन 66 ग्रे टायर कोर्ड फैब्रिक को जांच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए और उसके आयातों पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए क्योंकि भारत में इसका विनिर्माण केवल डयूपोंट द्वारा किया जाता है जो न तो एसोसिएशन ऑफ सिंथेटिक फाइबर इंडस्ट्री (ए एस एफ आई) का सदस्य है और न ही उसने वर्तमान याचिका का समर्थन किया है अथवा इस याचिका में उसका कोई हित निहित है।

- (ii) मौजूदा जांच ग्रे-फैब्रिक तक सीमित है न कि डिप्ड फैब्रिक तक जैसा कि याचिका से स्पष्ट होता है। ग्रे-फैब्रिक तथा डिप्ड फैब्रिक समान वस्तुएं नहीं हैं जैसा कि नियम 2(घ) में परिभाषित किया गया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह स्पष्टीकरण अपेक्षित है कि डिप्ड फैब्रिक पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाता है।

7. प्राधिकारी का विचार

जहां तक समान वस्तु के क्षेत्र विस्तार से नॉयलोन-66 को बाहर रखने के बारे में दिए गए तर्कों का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच के क्षेत्र में नॉयलोन टायर कोर्ड फैब्रिक अपने सभी रूपों तथा ग्रेडों में शामिल है। प्राधिकारी द्वारा एन टी सी एफ के भिन्न-भिन्न ग्रेडों तथा प्रकारों के बीच कोई अंतर नहीं किया गया है। अतः मौजूदा जांच में नॉयलोन-66 ग्रेड के एन टी सी एफ सहित नॉयलोन टायर कोर्ड फैब्रिक शामिल है। जहाँ तक जांच के क्षेत्र विस्तार को ग्रे-फैब्रिक तक न कि डिप्ड फैब्रिक तक सीमित किए जाने का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि नॉयलोन टायर कोर्ड फैब्रिक के विनिर्माण में दो चरण होते हैं अर्थात् ग्रे-फैब्रिक का उत्पादन तथा इसकी डिपिंग, जिसके लिए ग्रे चरण से आगे प्रसंस्करण की आवश्यकता होती है। प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि ग्रे-फैब्रिक के उत्पादन में आने वाली कुल लागत की तुलना में डिप्ड फैब्रिक के लिए डिपिंग की लागत नाममात्र की है। ग्रे-फैब्रिक तथा डिप्ड फैब्रिक के विनिर्माण के लिए संयंत्र तथा मशीनरी भी एक समान है किन्तु डिप्ड फैब्रिक के मामले में डिपिंग के लिए अतिरिक्त उपकरण की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, ग्रे तथा डिप्ड फैब्रिक के अन्त्य उपयोग एक समान है। इस प्रकार प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि केवल डिपिंग संबंधी अंतर के बावजूद दोनों ग्रेड तथा डिप्ड फैब्रिक तकनीकी तथा वाणिज्यिक दृष्टि से प्रतिस्थापनीय हैं। इस दृष्टि से ग्रे-फैब्रिक तथा डिप्ड फैब्रिक संगत नियमों के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं हैं।

इस प्रकार, प्राधिकारी का यह अभिमत है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित किए जा रहे एन टी सी एफ तथा संबद्ध देशों से आयात किए जा रहे एन टी सी एफ संगत नियमों के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं हैं।

(ड.) घरेलू उद्योग

- 8.(i) पाटनरोधी जांच के लिए मौजूदा याचिका एसोसिएशन ऑफ सिंथेटिक फाइबर इंडस्ट्री द्वारा घरेलू उत्पादकों अर्थात् मैसर्स एस आर एफ लि०, मैसर्स निरलोन लि०, मैसर्स सेंचुरी एंका लि० और मैसर्स एन आर सी लि० की ओर से दायर की गई है। इस याचिका का एक अन्य घरेलू उत्पादक मैसर्स बड़ौदा रेयॉन लि० द्वारा समर्थन गया है। याचिकाकर्ताओं द्वारा यह दावा किया गया है कि 4 याचिकाकर्ता कंपनियाँ तथा अन्य समर्थक कंपनी मैसर्स बड़ौदा रेयॉन लि० भारत में एक मात्र एन टी सी एफ के उत्पादक हैं और इस प्रकार याचिका को भारत में एन टी सी एफ के सभी घरेलू विनिर्माताओं का समर्थन प्राप्त है तथा नियमों के तहत यथापेक्षित अपेक्षित आधार की शर्त को पूरा करती है।

- (ii) निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि मैसर्स एस आर एफ लि० ने संबंधित कंपनी मैसर्स एस आर एफ ओवरसीज लि० के माध्यम से जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है। आयातकों से संबंधित होने के कारण वे पाटनरोधी जांच के लिए याचिका दायर नहीं कर सकते हैं। इसी प्रकार मैसर्स बड़ौदा रेयॉन लि० एक निर्यातक मैसर्स थाई बड़ौदा इंडस्ट्रीज लि० से संबंधित है जिसकी जांच

चल रही है। अतः ये दोनों कंपनियां पाटनरोधी जांच में याचिकाकर्ता कंपनियां नहीं हो सकती। ये दोनों कंपनियां भारत में एन टी सी एफ के घरेलू उत्पादन के अधिकांश हिस्से का उत्पादन करती हैं और इसलिए याचिका को नियमों में यथापेक्षित घरेलू उद्योग से वांछित समर्थन प्राप्त नहीं है।

प्रारंभिक निष्कर्षों में प्राधिकारी ने यह माना था कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से हुए कुल आयातों में मैसर्स एसआरएफ लि. द्वारा किए गए आयातों का 0.24% हिस्सा बनता है। इसके अलावा, जांच अवधि के दौरान मैसर्स एसआरएफ लि. द्वारा किए गए आयातों का हिस्सा घरेलू उद्योग के एनटीसीएफ के कुल उत्पादन का 0.08% बनता है। जांच अवधि के दौरान मैसर्स एसआरएफ लि. द्वारा अपनी संबद्ध कम्पनी मैसर्स एसआरएफ ओवरसीज लि. से कोई अन्य आयात किए जाने का साक्ष्य नहीं है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मैसर्स एसआरएफ लि. द्वारा अपनी संबद्ध कम्पनी मैसर्स एसआरएफ ओवरसीज लि., दुबई से किए गए आयातों की मात्रा बहुत ही नगण्य थी और इससे मैसर्स एसआरएफ लि. को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखना न्यायोचित नहीं होता। जहां तक मैसर्स बड़ौदा रेयॉन लि. का संबंध है, प्राधिकारी ने यह नोट किया कि मैसर्स बड़ौदा रेयॉन लि., मैसर्स थाई बड़ौदा इण्डस्ट्रीज लि. से संबंधित है जो स्वयं संबद्ध वस्तु के आयातक हैं और वर्तमान मामले में उनकी जांच की जा रही है। तथापि, वर्तमान याचिका घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाले चार उत्पादकों द्वारा दायर की गई है। मैसर्स बड़ौदा रेयॉन लि. ने घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाली अन्य उत्पादकों द्वारा दायर की गई याचिका का केवल समर्थन किया है और इस प्रकार मैसर्स बड़ौदा रेयॉन लि. वर्तमान याचिका में सक्रिय आवेदक नहीं है।

घरेलू उद्योग के आधार के संबंध में प्रतिबद्ध पक्षों ने प्रारंभिक निष्कर्षों पर निम्नलिखित तर्क दिए हैं-

9. याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए तर्क

- (i) मैसर्स एसआरएफ लि., मैसर्स निर्लोन लि., मैसर्स सैन्थुरी एंका लि. और मैसर्स एनआरसी लि. वर्तमान मामले में घरेलू उद्योग के भाग हैं। मैसर्स एसआरएफ द्वारा मैसर्स एसआरएफ, दुबई से किए गए आयातों को आरोपित पाटित वस्तुओं के आयातों के रूप में नहीं समझा जाता और परिणामतः मैसर्स एसआरएफ को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखने का प्रश्न नहीं उठता है। यह स्थिति घरेलू उद्योग की उस परिभाषा को ध्यान में रखते हुए लागू होगी जो जुलाई, 1999 में हुए संशोधन से पहले विद्यमान थी।
- (ii) इस प्रश्न पर गौर किए बिना कि क्या जुलाई, 1999 में किए गए संशोधन का प्रभाव भूतलक्षी है अथवा भविष्यलक्षी, प्रत्येक मामले में मैसर्स एसआरएफ को घरेलू उद्योग से अलग रखना उचित नहीं है।
- (iii) यह तर्क कि यदि मैसर्स एसआरएफ और मैसर्स बड़ौदा रेयॉन कॉरपोरेशन को छोड़ दिया जाए तो शेष उत्पादकों का हिस्सा एनटीसीएफ के घरेलू उत्पादन के 50% से कम बनेगा और इस प्रकार वे आवेदन नहीं कर सकते हैं, सही नहीं है। ऐसे मामले में शेष उत्पादकों का हिस्सा अर्हक घरेलू उत्पादन का 100% बनेगा और वे स्वाधिकार से आवेदन करने के पात्र होंगे।

10. निर्यातकों द्वारा दिया गया तर्क

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग की असंशोधित परिभाषा को लागू करना चाहिए था जो वर्तमान जांच की शुरुआत के समय लागू होती थी। इन नियमों के अनुसार कुछेक घरेलू उत्पादकों को घरेलू उद्योग से बाहर रखना अनिवार्य होता है। प्राधिकारी ने अपना अनंतिम निष्कर्ष यह निकाला है कि मैसर्स एसआरएफ, मैसर्स एसआरएफ ओवरसीज लि. से संबद्ध है जोकि संबद्ध वस्तु का ज्ञात निर्यातक है और यह भी कि इसने अपनी संबद्ध कंपनी से जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का आयात किया है। मैसर्स एसआरएफ को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखना स्वविवेकानुसार न होकर अनिवार्य है। संबद्ध वस्तु की मात्रा पर ध्यान दिए बिना उसका आयात ही मैसर्स एसआरएफ लि. को घरेलू उद्योग को बाहर रखने के लिए पर्याप्त है।
- (ii) इसके अलावा, मैसर्स एसआरएफ, मैसर्स बड़ौदा रेयॉन कार्पोरेशन भी मैसर्स थाई बड़ौदा इण्डस्ट्रीज लि. से संबद्ध हैं। मैसर्स एसआरएफ और मैसर्स बड़ौदा रेयॉन कार्पोरेशन को घरेलू उद्योग की परिधि से बाहर रखे जाने का प्रभाव उन सभी घरेलू उत्पादकों को अलग रखना होगा जिनका संबद्ध वस्तु के भारतीय घरेलू उत्पादन का 50% से अधिक हिस्सा बनता है। इस प्रकार, शेष घरेलू उत्पादकों का मिलकर भारतीय घरेलू उत्पादन का 50% से कम हिस्सा बनता है और वे नियम 2(ख) के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग का भाग नहीं बन सकते हैं। अतः मैसर्स एसआरएफ और मैसर्स बड़ौदा रेयान कार्पोरेशन को छोड़कर घरेलू उत्पादकों की ओर से दायर की गई याचिका घरेलू उद्योग की ओर से दायर याचिका नहीं बन सकती। इसलिये, वर्तमान जांच जारी रखने योग्य नहीं है और इसे समाप्त किया जाना चाहिए।

11. प्राधिकारी द्वारा जांच

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा याचिकाकर्ता की स्थिति से संबंधित मुद्दे की जांच की गई है। इस संबंध में पाटनरोधी नियमों का नियम 2(ख) और नियम 5(3) (क) सुसंगत हैं।
- (ii) निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस मामले में पाटनरोधी जांच 26.2.99 को शुरू की गई थी। याचिका भारत में एनटीसीएफ के घरेलू उत्पादकों में से चार उत्पादकों अर्थात् मैसर्स एसआरएफ लि., मैसर्स निर्लोन लि., मैसर्स सैन्चुरी एंका लि. और मैसर्स एनआरसी लि. द्वारा दायर की गई है। इसके अलावा, एनटीसीएफ के एक अन्य घरेलू उत्पादक मैसर्स बड़ौदा रेयान कार्पोरेशन द्वारा इस याचिका का समर्थन किया गया है।

- (iii) इस प्रकार, रिकार्ड में उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर यह याचिका चार घरेलू विनिर्माताओं द्वारा दायर की गई थी और ^{एक} अन्य विनिर्माता द्वारा इसका समर्थन किया गया था। संबद्ध वस्तु के किसी भी घरेलू विनिर्माता ने इस याचिका का विरोध नहीं किया था। अतः 26.2.1999 को यथा-प्रवृत्त पाटनरोधी नियमों के नियम 5(3)(क) के अंतर्गत यथा-अपेक्षित इस याचिका को जांच शुरू करने हेतु घरेलू उद्योग का अपेक्षित समर्थन प्राप्त था।
- (iv) जांच की कार्यवाही के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी की जानकारी में यह बात लाई गई थी कि मैसर्स एसआरएफ लि., जोकि वर्तमान जांच में याचिकाकर्ता है, ने मैसर्स एसआरएफ ओवरसीज लि., जोकि एक संबद्ध कम्पनी है, से बहुत ही कम मात्रा में एनटीसीएफ का आयात किया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी की जानकारी में आगे यह बात लाई गई थी कि मैसर्स बड़ौदा रेयान लि., जोकि एक घरेलू उत्पादक हैं, मैसर्स थाई बड़ौदा इण्डस्ट्रीज से संबद्ध है जिसके खिलाफ जांच शुरू की गई है।
- (v) 15 जुलाई, 1999 को पाटनरोधी नियमों (नियम 2(ख)) में, अन्य बातों के साथ-साथ, घरेलू उद्योग के आधार के बारे में संशोधन किया गया था। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी की जानकारी में लाए गए इन तथ्यों की जांच करते समय प्राधिकारी ने अपने प्रारंभिक निष्कर्षों में यह अभिमत व्यक्त किया था कि चूंकि मैसर्स एसआरएफ लि. द्वारा किया गया आयात जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से हुए कुल आयातों का केवल 0.24% बनता है इसलिए संशोधित नियम 2(ख) के अंतर्गत निर्यातों की ऐसी नगण्य मात्रा से घरेलू उद्योग के दायरे से मैसर्स एसआरएफ लि. को बाहर रखना न्यायोचित नहीं ठहरेगा।
- (vi) प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग के आधार से संबंधित मुद्दे की जांच में 15 जुलाई, 1999 से पूर्व यथा-विद्यमान नियमों के संदर्भ में की गई थी। नियम 2(ख) में यह व्यवस्था है कि घरेलू उद्योग से ऐसे घरेलू उत्पादकों को बाहर रखा गया समझा जाएगा जो आरोपित पाटित वस्तुओं के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित होंगे अथवा वे स्वयं उसके आयातक होंगे। इन प्रावधानों को संगत नियमों के नियम 5(3) (क) के प्रावधानों के साथ पढ़ना होगा। इस बात पर विचार करते समय भी कि मैसर्स एसआरएफ लि. और मैसर्स बड़ौदा रेयान लि. 15 जुलाई, 1999 से पूर्व यथा-विद्यमान नियमों के नियम 2(ख) के अनुसार आयातकों से संबंधित हैं अथवा वे स्वयं आयातक हैं, घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व केवल मैसर्स निलोन लि., मैसर्स सैन्चुरी इंका लि. और मै. एन आर सी लि. के द्वारा किया जाएगा। इस प्रकार, संभावना में भी इस याचिका पर एनटीसीएफ के 100% घरेलू उत्पादकों का समर्थन प्राप्त था।
- (vii) अतः घरेलू उत्पादक 15 जुलाई, 1999 को पाटनरोधी नियमों में किए गए संशोधन से पूर्व **विद्यमान** नियमों के अंतर्गत यथा-अपेक्षित घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने की अपेक्षित स्थिति में थे।

पूर्वोक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी यह अवधारित करते हैं कि याचिकाकर्ता नियमों के अंतर्गत यथा-अपेक्षित इस याचिका को दायर करने की अपेक्षित स्थिति में थे और वर्तमान याचिका घरेलू उद्योग की ओर से दायर की गई है।

च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

12. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में याचिकाकर्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों एवं प्राधिकारी द्वारा उनकी जांच पर नीचे चर्चा की गई है:-

13. याचिकाकर्ता द्वारा दिया गया तर्क

- (i) निर्यातकों द्वारा यह दावा किया गया है कि घरेलू बाजार में डिप्ड फैब्रिक की बिक्री की जा रही है और केवल ग्रे फैब्रिक का भारत को निर्यात किया गया है। प्राधिकारी ने निर्यातकों के दावों को स्वीकार किया है और बिक्री, सामान्य प्रशासन संबंधी लागत और लाभों को जोड़ते हुए ग्रे फैब्रिक की आकलित उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। जैसाकि नियमों के तहत अपेक्षित है प्राधिकारी द्वारा डिप्ड फैब्रिक की बिक्री कीमत और उत्पादन लागत की जांच एसजीए और डिप्ड फैब्रिक पर अर्जित लाभ के मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ की जानी चाहिए। सामान्य मूल्य निकालने के लिए एसजीए लागत और डिप्ड फैब्रिक पर प्राप्त लाभ के मार्जिन को ग्रे फैब्रिक की उत्पादन लागत में जोड़ दिया जाना चाहिए।
- (ii) ग्रे फैब्रिक की आकलित उत्पादन लागत का निर्धारण करते समय प्राधिकारी ने एक मामले में पैकिंग प्रभारों, बिक्री पर कमीशन और स्वदेशी भाड़े के कारण और दूसरे मामले के संबंध में पैकिंग लागत तथा निकासी एवं हैण्डलिंग लागत के कारण कटौती की अनुमति दी है। पैकिंग प्रभारों के लिए सामान्य मूल्य से कटौती की अनुमति इस तथ्य को देखते हुए नहीं प्रदान की जानी चाहिए कि निर्यात कीमत में से इस प्रकार की कटौती नहीं मांगी गई है/अनुमति नहीं दी गई है। इस प्रयोजनार्थ कटौती केवल तब की जानी चाहिए जब ये खर्चे पहले से ही उत्पादन लागत के अंग हो।
- (iii) जैसाकि प्राधिकारी द्वारा अपने प्रारंभिक निर्धारण में यह नोट किया गया था कि निर्यातक मैसर्स ह्योसंग, कोरिया ने सत्यापन हेतु उत्पादन लागत के ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए हैं। इसलिए, प्राधिकारी ने समूचित समायोजनों के साथ जांच शुरुआत के समय उपलब्ध कराई गई उत्पादन की आकलित लागत के आधार पर सामान्य मूल्य पर विचार किया है। कोरिया के निर्यातक द्वारा असहयोग को ध्यान में रखते हुए सामान्य मूल्य को किसी समायोजन के बिना घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध करावाई गई आकलित लागत पर आधारित होना चाहिए।

- (iv) असहयोगी निर्यातकों के मामले में निर्यात कीमत को सहयोगी निर्यातक द्वारा सूचित की गई न्यूनतम निर्यात कीमत पर आधारित होना चाहिए ।

14. निर्यातकों द्वारा दिया गया तर्क

- (i) सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए निर्यातकों, मैसर्स फारमोसा टेफेटन कं. लि., मैसर्स ह्योसंग कारपोरेशन और मैसर्स थाई बड़ौदा इण्डस्ट्रीज लि. के संबंध में वास्तविक आकड़ों और इस हेतु आपनाए गए तौर तरीकों का कोई खुलासा नहीं किया गया है ।
- (ii) सामान्य मूल्य निकालते समय ऐसा प्रतीत होता है कि प्राधिकारी ने बहुत ही उच्च मार्जिन को लिया है जो निर्यातक द्वारा घोषित किए गए मार्जिन, जोकि काफी कम है, के बावजूद उचित नहीं हो सकता । जब प्राधिकारी ने निर्यातकों की उत्पादन लागत को स्वीकार किया था तब उसके द्वारा ऐसा कोई कारण नहीं दिया गया था कि निर्यातकों द्वारा दिया गया यह मार्जिन क्यों उचित नहीं है ।
- (iii) प्राधिकारी ने विभिन्न डेनियरों अथवा प्लाई अथवा चौड़ाई के एनटीसीएफ के बीच अंतरों पर विचार किए बिना भारित औसत कीमत निकाली है जिसके परिणामस्वरूप इन वस्तुओं की कीमतों तथा उनके उपयोग और एक दूसरे के स्थान पर प्रयोज्यता में काफी अधिक अंतर बैठता है ।

(iv) सभी डेनियरों की निर्यात बिक्री के आधार पर और निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सत्यापित की गई सूचना के आधार पर कृपया मै0 फारमोसा टेफेटा के मामले में पाटन मार्जिन का पुनः निर्धारण किया जाए ।

छ. प्राधिकारी द्वारा जांच

15. हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाए गए मुद्दों और अलग-अलग निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन पर नीचे विचार किया गया है ।

(क) मै0 पीटीजीटी पेट्रोकेम इंडस्ट्रीज, इंडोनेशिया:

मै0 पीटीजीटी पेट्रोकेम इंडस्ट्रीज, इंडोनेशिया द्वारा प्रारम्भिक निर्धारण में किए गए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का विरोध नहीं किया गया है । इस बात को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी मै0 पीटीजीटी पेट्रोकेम इंडस्ट्रीज के संबंध में **** अमरीकी डालर प्रति कि0ग्रा0 के सामान्य मूल्य और **** अमरीकी डालर प्रति कि0ग्रा0 की कारखानागत निर्यात कीमत की पुष्टि करते हैं । इस प्रकार प्राधिकारी मै0 पीटीजीटी पेट्रोकेम इंडस्ट्रीज के संबंध में पाटन मार्जिन **** अमरीकी डालर प्रति कि0ग्रा0 अथवा 9.26% निर्धारित करते हैं ।

(ख) मै0 फारमोसा टेफेटा कं0 लि0, ताइवान

निर्यातक मै0 फारमोसा टेफेटा कं0 लि0 ने निर्यातक द्वारा उपलब्ध की गई और प्राधिकारी द्वारा सत्यापित की गई सूचना को ध्यान में रखते हुए पाटन मार्जिन का पुनः निर्धारण करने का अनुरोध किया । निर्यातक ने विशेष रूप से यह अनुरोध किया कि एन

निकासी और हैंडलिंग के कारण किए गए खर्चों की अनुमति देने के पश्चात् प्राधिकारी द्वारा मै0 फारमोसा टेफेटा कं0 लि0 के मामले में कारखानागत कीमत **** अमरीकी डालर प्रति कि0ग्रा0 निर्धारित की गई है। इस प्रकार मै0 फारमोसा टेफेटा कं0 लि0 के लिए पाटन मार्जिन **** अमरीकी डालर अथवा 2.06% निर्धारित किया जाता है।

(ग) मै0 ह्योसुंग कारपोरेशन, दक्षिण कोरिया

प्राधिकारी द्वारा मै. ह्योसुंग कारपोरेशन, दक्षिण कोरिया के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर निर्यातक के लिए उत्पादन की आकलित लागत के आधार पर किया गया था क्योंकि निर्यातक द्वारा उत्पादन की वास्तविक लागत के बारे में अपेक्षित ब्यौरे उपलब्ध नहीं करवाए गए थे। प्रारंभिक निर्धारण के बाद यद्यपि निर्यातक ने न्यूनतम पाटन मार्जिन का दावा किया और पाटन मार्जिन का पृथक डेनियरवार निर्धारण करने का अनुरोध किया है, निर्यातक द्वारा कोई अन्य अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है।

जैसाकि प्रारम्भिक निष्कर्षों में पाया गया है प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा उत्पादन लागत के संबंध में प्रस्तुत की गई सूचना का सत्यापन किया। सत्यापन की कार्यवाही के दौरान प्राधिकारी ने उत्पादन लागत जैसे कि कच्ची सामग्री की कीमतों, खर्चों के आवंटन का आधार इत्यादि के बारे में लेखापरीक्षित खातों से विधिवत मिलान की गई तथा समर्थनकारी साक्ष्य के साथ अतिरिक्त सूचना मांगी थी। निर्यातक द्वारा समर्थनकारी साक्ष्य के साथ ये ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। अतः प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर मै. ह्योसुंग कारपोरेशन, दक्षिण कोरिया के मामले में उत्पादन लागत का आकलन किया है। इसके अतिरिक्त, प्रारम्भिक निष्कर्षों के बाद भी कोई अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत नहीं की गई थी जैसाकि सत्यापन की कार्यवाही के दौरान प्राधिकारी द्वारा अनुरोध किया गया था, इसलिए प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे के अनुसार मै. ह्योसुंग कारपोरेशन के मामले में सामान्य मूल्य पर विचार किया है। तदनुसार प्राधिकारी द्वारा ह्योसुंग कारपोरेशन के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण **** अमरीकी डालर प्रति कि.ग्रा. किया जाता है।

प्राधिकारी ने मै0 ह्योसुंग कारपोरेशन, द0 कोरिया के मामले में निर्यात कीमत पर ऋण लागत, विदेशी भाड़े, बीमा, कमीशन और स्वदेशी भाड़े के लिए समायोजनों की अनुमति देने के पश्चात् जांच अवधि के दौरान उसके द्वारा निर्यात किए गए एनटीसीएफ के विभिन्न ग्रेडों की औसत सीआईएफ कीमत के आधार पर विचार किया है। इस प्रकार प्राधिकारी द्वारा मै0 ह्योसुंग कारपोरेशन के मामले में निर्यात कीमत **** अमरीकी डालर प्रति कि0ग्रा0 आंकी गई है।

इस प्रकार प्राधिकारी द्वारा मै0 ह्योसुंग कारपोरेशन दक्षिण कोरिया के मामले में पाटन मार्जिन **** अमरीकी डालर प्रति कि.ग्रा. अथवा 38.64% निर्धारित किया जाता है।

(घ) मै. थाइ बड़ौदा इंडस्ट्रीज लिमिटेड, थाइलैंड

प्राधिकारी ने मै0 थाइ बड़ौदा इंडस्ट्रीज लि0 के मामले में जांच अवधि के दौरान सेबद्ध वस्तु की वास्तविक उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य पर विचार किया था। निर्यातक ने एनटीसीएफ के भिन्न-भिन्न डेनियरों के लिए पृथक निर्धारण करने का अनुरोध किया। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भिन्न-भिन्न डेनियरों के लिए विनिर्माण प्रक्रिया और विनिर्माण सुविधायें एक जैसी हैं। इसके अलावा इन डेनियरों की विनिर्माण लागत में कोई खास अंतर नहीं है। अतः प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु सभी डेनियरों की औसत उत्पादन लागत तथा औसत निर्यात कीमत पर विचार किया है। अतः प्राधिकारी द्वारा मै0 थाइ बड़ौदा इंडस्ट्रीज लि0 की उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य

टी सी एफ के सभी ग्रेडों/डेनियरों की भारित औसत निर्यात कीमत के आधार पर पाटन मार्जिन का पुनः निर्धारण किया जाए। प्राधिकारी को उपलब्ध करवाई गई सूचना के आधार पर पैकिंग तथा निकासी और हैंडलिंग प्रभारों के कारण कटौती की अनुमति देने के पश्चात् एनटीसीएफ के भिन्न-भिन्न डेनियरों की औसत उत्पादन लागत के आधार पर मै0 फारमोसा टेफेटा कं0 लि0 के मामले में प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य का निर्धारण ***** अमरीकी डालर प्रति कि0ग्रा0 निर्धारित किया जाता है। मै0 फारमोसा टेफेटा कं0 लि0 के मामले में प्राधिकारी द्वारा निर्यात कीमत पर जांच अवधि के दौरान भिन्न-भिन्न डेनियरों की भारित औसत निर्यात कीमत के आधार पर विचार किया गया है। कंपनी ने ***** अमरीकी डालर प्रति कि0ग्रा0 की औसत सी आई एफ कीमत पर ***** मी0 टन एनटीसीएफ का निर्यात किया। समुद्री भाड़े, बीमा, कमीशन, स्वदेशी भाड़े, पैकिंग, मूल्य ***** अमरीकी डालर प्रति कि0ग्रा0 आकलित किया गया है। प्राधिकारी द्वारा वास्तविक व्यौरो के अनुसार ट्रकिंग प्रभारों सहित समुद्री भाड़े सीमा शुल्क संबंधी सेवाओं, पत्तन प्रभारों और पोतलदान खर्चों के लिए समायोजनों पर विचार करने के पश्चात् कारखानागत निर्यात कीमत ***** अमरीकी डालर प्रति कि0ग्रा0 आकलित की गई है। इस प्रकार प्राधिकारी द्वारा मै0 थाई बड़ौदा इंडस्ट्रीज लि0 के मामले में पाटन मार्जिन ***** अमरीकी डालर प्रति कि0ग्रा0 अथवा 67.33% आकलित किया गया है।

(ज) असहयोगी निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन:

16. याचिकाकर्ताओं द्वारा दिए गए तर्क

यद्यपि प्राधिकारी ने अन्य असहयोगी निर्यातकों के लिए उच्च पाटन मार्जिन निर्धारित किया है तथापि सिफारिश किए गए शुल्क की दर सहयोगी और असहयोगी दोनों निर्यातकों के लिए समान है। इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कि असहयोग पर कोई लाभ न मिले, असहयोगी निर्यातकों के मामले में सिफारिश किया गया वास्तविक पाटनरोधी शुल्क भी सहयोगी निर्यातकों की अपेक्षा अधिक होना चाहिए। इसलिए असहयोगी निर्यातकों के मामले में निर्यात कीमत सहयोगी निर्यातकों की न्यूनतम निर्यात कीमत पर आधारित होनी चाहिए।

17. प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर असहयोगी निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण किया। तदनुसार असहयोगी निर्यातकों के मामले में प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य पर

विचार किया। असहयोगी निर्यातकों के मामले में प्राधिकारी द्वारा निर्यात कीमत का निर्धारण सहयोगी निर्यातकों के मामले में निर्यात कीमत के आधार पर किया गया था। प्राधिकारी इस बात से सहमत हैं कि असहयोगी निर्यातकों को कोई लाभ नहीं मिलना चाहिए और सहयोगी और असहयोगी निर्यातकों के बीच शुल्क में अंतर होना चाहिए। इसलिए प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के असहयोगी निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन का पुनः निर्धारण किया है। तदनुसार प्राधिकारी द्वारा याचिकाकर्ताओं द्वारा किए गए दावों के अनुसार असहयोगी निर्यातकों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। निर्यात कीमत के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी में जांच अवधि के दौरान सहयोगी निर्यातकों के न्यूनतम सी आई एफ कीमत के सौदे पर विचार किया है। कारखानागत निर्यात कीमत निकालने के लिए प्राधिकारी द्वारा संबद्ध देशों के सहयोगी निर्यातकों के मामले में वास्तविक खर्चों के आधार पर सी आई एफ कीमतों में से कमी करने की अनुमति दी गई है।

(ii) उपरोक्त के आधार पर प्राधिकारी द्वारा संबद्ध देशों के अलग-अलग निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार निर्धारित किया जाता है।

क्रम सं.	देश	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन %
1.	दक्षिण कोरिया :			
	(i) मै. ह्योसुंग कारपोरेशन	****	****	38.64
	(ii) सभी अन्य निर्यातक	****	****	54.28
2.	इंडोनेशिया :			
	(i) मै. पीटीजीटी पेट्रोकेम इंडस्ट्री	****	****	9.26
	अन्य सभी निर्यातक	****	****	92.54
3.	थाइलैंड :			
	(i) मै. थाई बड़ौदा इंडस्ट्रीज	****	****	67.33
	(ii) सभी अन्य निर्यातक	****	****	17.28
4.	ताइवान :			
	(i) मै. फारमोसा टेफेटा कं. लि.	****	****	2.06
	(ii) सभी अन्य निर्यातक	****	****	86.51

घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री प्राप्ति में भी गिरावट आई है। ये सभी कारक सामूहिक रूप से यह बताते हैं कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण क्षति हुई है।

झ. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

18. निर्यातकों द्वारा दिया गया तर्क

(i) प्रारंभिक निष्कर्षों में प्राधिकारी ने बाजार हिस्से, लाभ/कीमत, बिक्री, क्षमता उपयोग और अंतिम रटाक में फेरबदल के बारे में किसी वास्तविक आंकड़ों का खुलासा नहीं किया है। इस आंकड़े के लिए वास्तविक आंकड़ों का खुलासा न करके प्रारंभिक निष्कर्ष उस तरीके का खुलासा करने में विफल हुए हैं जिसके तहत संबद्ध देशों के आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को कथित रूप से वास्तविक क्षति हुई है।

(ii) भारत में संबद्ध वस्तु के हुए आयातों की मात्रा भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की मात्रा से काफी कम है। अतः यह नहीं माना जा सकता कि ऐसे आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कोई वास्तविक क्षति हुई है।

(iii) संबद्ध वस्तु का कुल घरेलू उत्पादन उसकी कुल घरेलू मांग से कम है। परिणामतः मांग में कमी को आयातों द्वारा पूरा करना पड़ता है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए यह आरोप नहीं लगाया जा सकता कि संबद्ध देशों से हुए आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पहुंचाई जा रही है।

(iv) भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों में गिरावट आ रही है और जांच अवधि के दौरान आयातों की मात्रा में पूर्ववर्ती वर्ष की इसी अवधि के दौरान किए गए आयातों की मात्रा की तुलना में लगभग 2% तक की गिरावट आई है। इसी प्रकार भारतीय घरेलू उत्पादकों द्वारा क्षमता उपयोग और उत्पादन में वृद्धि हुई है। इस प्रकार घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है।

(v) मै0 एस आर एफ लिमिटेड जो घरेलू उत्पादन के 45% से अधिक के हिस्से के साथ संबद्ध वस्तु का एक प्रमुख उत्पादक है, के बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि उसे कोई वास्तविक क्षति हो रही है क्योंकि यह संबद्ध वस्तु पर भारी मुनाफा कमा रहा है। कंपनी ने लगाई गई पूंजी पर काफी अच्छी आय अर्जित की है।

संबद्ध वस्तुओं के कारण लाभप्रदता अन्य भारतीय घरेलू उत्पादकों के लिए समान होने की संभावना है क्योंकि अन्य विनिर्माताओं के लिए भी संबद्ध वस्तुओं की कीमतें समान हैं। कुछ कंपनियों, जो ऐसे लाभों को समग्र आधार पर अपने तुलन-पत्र में नहीं दिखा रही हैं, वे संबद्ध वस्तुओं से अच्छा लाभ प्राप्त करने के बावजूद अन्य उत्पादों में अच्छा कारोबार नहीं कर रही हैं।

(vi) पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति और क्षति की आशंका को समाप्त करने के लिए लगाया जाता है न कि घरेलू उद्योग के लिए लाभों की उच्च दर सुनिश्चित करने के लिए ।

19. प्राधिकारी द्वारा जांच

(i) पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण में निर्दिष्ट प्राधिकारी उन सभी संगत आर्थिक मापदंडों का मूल्यांकन करते हैं जिनका घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है । प्राधिकारी ने क्षति के विभिन्न मापदंडों पर विचार किया जैसे आयातों की मात्रा, बाजार हिस्से पर इसका प्रभाव, संबद्ध वस्तु से घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, बिक्री मात्रा, बिक्री प्राप्ति, उत्पादन । इन मापदंडों के विश्लेषण से सामूहिक रूप से घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति का पता चलता है । घरेलू उद्योग को हुई क्षति से संबंधित ~~कुछ~~ मापदंडों को याचिकाकर्ताओं द्वारा गोपनीय स्वरूप के होने का दावा किया गया है और प्राधिकारी द्वारा इन्हें ऐसा ही माना गया, जैसा कि नियमों के तहत अपेक्षित है । तथापि, याचिकाकर्ताओं द्वारा अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा की गई टिप्पणियों के संदर्भ हेतु सभी गोपनीय आंकड़ों का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत किया गया था । जहां तक निर्यातकों द्वारा दिए गए इन तर्कों का संबंध है कि कुल घरेलू उत्पादन संबद्ध वस्तु की मांग से कम है और कमी को आयातों द्वारा पूरा करना पड़ता है, प्राधिकारी यह अवधारित करते हैं कि पाटन रोधी शुल्क का उद्देश्य संबद्ध वस्तु के उचित आयातों को नियंत्रित करना नहीं है । प्राधिकारी केवल तभी पाटनरोधी शुल्क लगाने पर विचार करते हैं जब संबद्ध वस्तु का अनुचित कीमत पर निर्यात किया जाता है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचती है ।

(ii) जहाँ तक घरेलू उद्योगों में एनटीसीएफ के एक प्रमुख उत्पादक अर्थात् मैसर्स एसआरएफ लि. की लाभकारिता का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन तक सीमित किया गया है । निर्यातकों ने मैसर्स एसआरएफ लि. की लाभप्रदता और निष्पादन में उत्तरवर्ती सुधार का उल्लेख किया है जो कि वर्तमान जांच से सुसंगत नहीं है । वर्ष 1998-99 के दौरान मैसर्स एसआरएफ लि. की लाभप्रदता में हुए सुधार को प्राधिकारी द्वारा नोट किया गया है जो कि नई इक्विटी को शामिल करके, उधार को चुकता करके और ब्याज लागत के भार में तदनुगुणी कमी करके वित्तीय पुनर्गठन के कारण हुआ है । जहाँ तक पाटनरोधी जांच का संबंध है, एक बहु-उत्पाद कम्पनी के मामले में विचाराधीन उत्पाद से लाभप्रदता में सुधार आना एक अधिक संगत कारक है । प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मै. एसआरएफ लि. एक बहु-उत्पाद कम्पनी है और उसे जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के प्रचालन से हानि हुई है ।

(iii) क्षति के मापदंडों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है, संबद्ध वस्तु का भारत में निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है । घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी आई है, संबद्ध वस्तु से घरेलू उद्योग की लाभकारिता में गिरावट आई है ।

ज. हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दे

20. याचिकाकर्ताओं का तर्क

उचित बिक्री कीमत बिना किसी समायोजन के घरेलू उत्पादकों के उत्पादन की भारित औसत लागत पर आधारित होनी चाहिए और लाभ मार्जिन को वास्तविक आधार पर नहीं जोड़ा जाना चाहिए बल्कि जिसे घरेलू उद्योग ने प्राप्त किया होता अगर पाटन न हुआ होता।

21. प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार घरेलू उद्योग के लिए क्षति-रहित बिक्री कीमत का निर्धारण किया है, जो जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन की वास्तविक लागत पर आधारित है। घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित बिक्री कीमत के निर्धारण में प्राधिकारी ने सभी संगत कारकों का उचित विश्लेषण किया है और उचित आधार पर लगाई गई पूंजी पर लाभों/प्राप्तियों की अनुमति दी गई है।

22. याचिकाकर्ताओं के तर्क

पहुँच मूल्य सी आई एफ कीमत जमा उतराई प्रभार के लिए उसका 1 % और 40 % सीमाशुल्क के बराबर होगा। अतिरिक्त 2 % हैंडलिंग प्रभार अपेक्षित नहीं है, जिसके परिणामस्वरूप क्षति के मार्जिन को कम दर्शाया गया है।

23. प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी सभी मामलों में निर्यातों के पहुँच मूल्य के निर्धारण में 1% उतराई प्रभारों और 2% हैंडलिंग प्रभारों को जोड़ने की एक सुसंगत प्रक्रिया का अनुसरण करते हैं। इसके अलावा, इस मामले में किसी भी हितबद्ध पार्टी ने वास्तविक उतराई अथवा हैंडलिंग प्रभारों के बारे में सूचना प्रस्तुत नहीं की।

24. निर्यातकों और आयातकों द्वारा दिया गया तर्क

यह याचिका स्वीकार्य नहीं है क्योंकि यह एसोसिएशन ऑफ सिंथेटिक फाइबर इंडस्ट्री (एस एफ आई) द्वारा दायर की गयी है। वर्तमान आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से प्रस्तुत किया गया आवेदन नहीं है और ऐसे किसी आवेदन से नियमों के तहत जांच प्रारंभ करने का आधार नहीं बनता है। किसी स्पष्ट प्राधिकार और स्पष्ट समर्थन के अभाव में एस एफ आई ऐसा

कोई आवेदन प्रस्तुत कर नहीं सकता जिसका प्रयोजन घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से दायर किए गए आवेदन से हो ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

पाटनरोधी नियमों में यह अपेक्षित है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से एक लिखित आवेदन प्राप्त होने के बाद किसी आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और उसके प्रभाव का निर्धारण करने के लिए जांच आरंभ कर सकता है । इस मामले में यह याचिका घरेलू उद्योग की ओर से एसोसिएशन ऑफ सिंथेटिक फाइबर इंडस्ट्री (ए एस एफ आई) द्वारा दायर की गई है ।

(ii) संबद्ध वस्तु का, जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में बताए गए संबद्ध देशों के अलावा विभिन्न देशों से भारत में आयात किया जा रहा है । जैसा कि नियमों के अन्तर्गत अपेक्षित है, पाटनरोधी शुल्क भेद-भाव रहित आधार पर लगाया जाएगा और ऐसी वस्तुओं के सभी आयातों पर लागू होगा भले ही पाटन किए जाने का स्रोत कोई भी पाया गया हो ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने विनिर्दिष्ट देशों के निर्यातकों के विरुद्ध जांच आरंभ की थी जिन पर संबद्ध वस्तुओं के पाटन का आरोप लगाया गया था । वर्तमान जांच के आधार पर प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए साक्ष्य के आधार पर जहाँ कहीं संबद्ध वस्तुओं का पाटन साबित हुआ है वहाँ प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है । इसलिए पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिशें पक्षपातपूर्ण नहीं हैं जैसा कि बताया गया है ।

(iii) भिन्न-भिन्न निर्यातकों के लिए अनुशंसित शुल्क पाटन की संबंधित प्रतिशतता के अनुसार अलग-अलग प्रतिशत में और विरोधाभासी हैं ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

पाटनरोधी नियमों के अन्तर्गत प्राधिकारी से पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम शुल्क की धनराशि की सिफारिश करने की अपेक्षा की जाती है जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी । इस उद्देश्य के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना याचिकाकर्ता कंपनियों की क्षतिरहित बिक्री कीमत से की गई थी । इसलिए, इस मामले में प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन अथवाप क्षति मार्जिन से जो कम हो, उसके बराबर पाटन रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है ।

(iv) घरेलू उद्योग के लिए भारत में एनटीसीएफ की उचित बिक्री कीमत के बारे में यह बताया गया है कि उसे घरेलू उद्योग के लिए उत्पादन की ईष्टतम लागत पर विचार करके प्राप्त

किया गया है। तथापि, ऐसी उचित बिक्री कीमत को ध्यान में रखने के आधार की जांच करने के लिए अथवा इसकी गणना करने के लिए अपनाए गए तौर-तरीके को चुनौती देने के लिए कोई अवसर उपलब्ध नहीं कराया गया था।

प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने उत्पादन लागत के संबंध में घरेलू उद्योग से सूचना मांगी थी। घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीयता के आधार पर उपलब्ध कराये गये लागत आंकड़ों का प्राधिकारी द्वारा सत्यापन किया गया था और इन्हें गोपनीय ही समझा गया था।

ट. अंतिम निष्कर्ष

25. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी इन निष्कर्षों पर पहुँचते हैं कि:

(क) संबद्ध देशों के मूल के या वहाँ से निर्यातित नायलॉन टायर कोर्ड फ़ैब्रिक (एन टी सी एफ) का भारत को निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है।

(ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(ग) संबद्ध देशों के मूल के या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

26. याचिकाकर्ता कंपनियों को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता कंपनियों के लिए क्षमता उपयोग के ईष्टतम स्तर पर उत्पादन की ईष्टतम लागत पर विचार करके याचिकाकर्ता कंपनियों के लिए भारत में एन टी सी एफ की क्षति रहित बिक्री कीमत पर विश्वास किया है।

27. पाटन से संबंधित उपरोक्त पैरा में किए गए उल्लेख के अनुसार पहुँच मूल्य का निर्धारण सीमा शुल्क के प्रचलित स्तर और एक प्रतिशत उतराई और 2 प्रतिशत हैंडलिंग प्रभारों को जोड़ने के पश्चात् संबद्ध देशों से हुए एन टी सी एफ के निर्यात की कीमत के आधार पर किया गया है।

28. प्राधिकारी ने पाटन के मार्जिन के बराबर या उससे कम प्रान्तररोधी शुल्क की राशि की सिफारिश पर विचार किया है, जिसे अगर लगाया जाता है, तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। इस प्रयोजनार्थ आयातों की औसत पहुँच कीमत की तुलना याचिकाकर्ता

कंपनियों का क्षतिरहित विक्री कोमत के साथ को गई थी । जिस जाच अर्वाध क लिए निर्धारित किया गया था । जहाँ कही यह अंतर पाटन मार्जिन से कम पाया गया था वहाँ पाटन मार्जिन से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की गई है । तदनुसार, प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं और दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, थाइलैंड और ताइवान मूल के या वहाँ से निर्यातित एनटीसीएफ के सभी आयातों पर निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ।

नीचे उल्लिखित देशों के मूल के या वहाँ से निर्यातित सीमा शुल्क टैरिफ के अध्याय-59 के अंतर्गत आने वाले नाइलॉन टायर कार्ड फैब्रिक के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क नीचे दी गई तालिका में दर्शाई गई धनराशि होगी:-

क्र० सं०	देश/निर्यातक	शुल्क की राशि (रु० प्रति किग्रा०)
1.	दक्षिण कोरिया: मैसर्स ह्योसुंग	५.३०
	अन्य निर्यातक	२५.०२
2.	इंडोनेशिया मैसर्स पी टी जी टी पेट्रोकेम इंडस्ट्रीज	१.७७
	अन्य निर्यातक	९.५७
3.	थाइलैंड मैसर्स थाई बड़ौदा इंडस्ट्रीज	५.२२
	अन्य निर्यातक	२८.९१
4.	ताइवान मैसर्स फामोसा टेफेय कं० लि०	२.३९
	अन्य निर्यातक	२०.५७

29. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अंतर्गत सीमा शुल्क विभाग द्वारा यथा-निर्धारित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8 ख, 9 अथवा 9क, जैसा भी मामला हो, के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमा शुल्क शामिल होंगे ।

30. उपरोक्त के अधीन रहते हुए प्राधिकारी 15.10.99 के प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं ।

31. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जाएगी ।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE**NOTIFICATION**

New Delhi, the 22nd February, 2000

FINAL FINDINGS

**Subject : Anti-Dumping investigation concerning imports of Nylon Tyre Cord Fabric (NTCF) from Indonesia, South Korea, Thailand and Taiwan—
Final Findings.**

31/1/98-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1. The Procedure described below has been followed:
 - i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified preliminary findings vide notification dated the 5th October, 1999 and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
 - ii) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
 - iii) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassies of Indonesia, Thailand, South Korea and the Cultural and Economic Centre Taiwan in New Delhi with a request that the exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings;
 - iv) The Authority provided opportunity to domestic industry and the other interested parties to present their views orally. All parties presenting their views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any.

- (v) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties, for inspection, upon request;
- (vi) Argument raised by interested parties before announcing of preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified earlier have not been repeated herein for sake of brevity. However, arguments raised by the interested parties have been appropriately dealt in the preliminary findings and/or these findings;
- (viii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings.
- (ix) **** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the rules.

B. VIEWS OF PETITIONERS, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY

- 2. The arguments raised by the interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt in the relevant paras hereinbelow.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION:

- 3. The product under consideration in the present investigation is "Nylon Tyre Cord Fabric(NTCF)" originating in or exported from Indonesia, South Korea, Thailand and Taiwan. The NTCF finds application in different kinds of tyres like Bus & Truck Tyres, 2 wheeler Tyres, Light Commercial Vehicles, Animal Driven Vehicles etc. The NTCF also finds application in the Non-Tyre Industries. The NTCF are of various deniers. It is classified under the Customs Sub-heading 5902.10.00 of Customs Tariff Act. The Classification is however indicative only and is in no way binding on the scope of present investigation.

None of the interested parties have raised any objection with regards to product under consideration and the scope of investigation. In view of the same, Authority holds that the product under consideration is "Nylon Tyre Cord Fabric" as classified under Customs sub-heading 5902.10.00 of the Customs Tariff Act.

D. LIKE ARTICLES

4. The petitioner has claimed that NTCF being produced and sold by Domestic Industry and those imported from subject countries, are being used interchangeably by customers in India. The process and technology for manufacturing the product all over the world is similar in terms of machinery, raw materials, manufacturing process except for minor differences such as additives, automation in material handling etc. In view of the same, Authority held that NTCF being produced by domestic industry and those being imported from the subject countries can be used interchangeably and thus are commercially and technically substitutable and therefore, are Like Articles within the meaning of the Rules.

5. ARGUMENTS BY PETITIONER:

- (i) It has been argued by the exporters and importers that investigation should be restricted to grey fabric. There is no ground to exclude Nylon 66 as the investigation includes Nylon Tyre Cord Fabric without any qualification as to the grade of Nylon.
- (ii) The difference between grey fabric and dipped fabric is only in respect of dipping. But for this difference, both products are technically and commercially substitutable. In case the dipped fabric is excluded from the scope of present investigation, then the object of entire investigation would be defeated and circumvented by substituting import of grey fabric with dipped fabric.

6. ARGUMENTS BY EXPORTERS:

- (i) Nylon 66 grey Tyre Cord Fabric should be excluded from the investigation and no Anti-Dumping Duty should be imposed on its imports as it is manufactured only by Dupont in India which is neither a member of Association of Synthetic Fibre Industry (ASFI) nor has supported or has any interest in the present petition in any way.
- (ii) The present investigation is restricted to Grey Fabric and not Dipped Fabric as is evident from the petition. The grey fabric and dipped fabric are not like articles as defined in Rule 2(d). A clarification is required from the Designated Authority that the dipped fabric is not subject to Anti-Dumping Duty.

7. **AUTHORITY POSITION:**

As regards the arguments for exclusion of Nylon-66 for the scope of like Articles, the Authority notes that the scope of investigation covers "Nylon Tyre Cord Fabric" in all its forms and grades. No distinction has been made by the Authority between different grades and types of NTCF. Therefore, the present investigation covers "Nylon Tyre Cord Fabric" including Nylon 66 grade NTCF. As regards the scope of the investigation being limited to Grey Fabric and not Dipped Fabrics, the Authority notes that in the manufacture of Nylon Tyre Cord Fabric, there are two stages i.e. the production of grey fabric and its dipping which requires further processing from the grey stage. The Authority notes further that as compared to total cost in the production of grey fabric, the cost of dipping for the dipped fabric is very marginal. The plant & machinery for manufacture of grey fabric and dipped fabric are also identical except the additional equipments required for dipping in case of dipped fabric. Besides, the end use of both grey and dipped fabrics are identical. Thus, Authority notes that but for the difference in dipping both grey and dipped fabrics are technically and commercially substitutable. In view of the same, grey fabric and dipped fabric are Like Articles within the meaning of the relevant Rules

Thus, the Authority holds that NTCF being produced by Domestic industry and those being imported from the subject countries are like Articles within the meaning of relevant Rules

E. **DOMESTIC INDUSTRY**

8. (i) The present petition for Anti-Dumping investigation has been filed by the Association of Synthetic Fibre Industry (ASFI) on behalf of domestic producers i.e. M/s. SRF Ltd., M/s. Nirlon Ltd., M/s. Century Enka Ltd. and M/s. NRC Ltd. The petition has been supported by other domestic producer M/s. Baroda Rayon Ltd.. It has been claimed by petitioners that the four petitioner companies and the other supporting company M/s. Baroda Rayon Ltd. are the only producers of NTCF in India and hence the petition has support of all the domestic manufacturers of NTCF in India and fulfils the requirement of requisite standing as required under the Rules.
- (ii) It has been argued by the exporters and other interested parties that M/s. SRF Ltd. have imported the subject goods during the period of investigation through a related company M/s. SRF Overseas Ltd. They being related to the importers, cannot file petition for Anti-Dumping investigation. Similarly, M/s. Baroda Rayons Ltd are related to one of the exporters M/s. Thai Baroda Industries Ltd.,

which is an exporter under investigation. Therefore, both these companies cannot be the petitioners in Anti-Dumping investigation. Both these companies accounts for majority of domestic production of NTCF in India and therefore, the petition lacks requisite support from domestic industry as required under the Rules.

- (iii) In the Preliminary Findings, the Authority held that imports by M/s SRF Ltd represented 0.24% of the total imports from subject countries during the POI. Besides, the imports by M/s SRF Ltd. represented only 0.08% of total production of NTCF of domestic industry during the POI. There is no evidence of any other imports by M/s SRF Ltd. from its related company M/s SRF Overseas Ltd. during the POI. The Authority notes that the quantum of imports by M/s SRF Ltd. from its related company M/s SRF Overseas Ltd., Dubai were in very insignificant quantities and would not justify the exclusion of M/s SRF Ltd. from the scope of domestic industry. As regards, M/s Baroda Rayon Ltd., the Authority noted that M/s Baroda Rayon Ltd. was related to M/s Thai Baroda Industries Ltd., who themselves were exporters of the subject goods and are subject to investigation in the present case. However, the present petition has been filed by four producers representing the domestic industry. M/s Baroda Rayon Ltd have merely supported the petition filed by other producers representing the domestic industry and as such M/s Baroda Rayon Ltd. is not an active applicant in the present petition.

F. The interested parties have made the following arguments on preliminary findings with regards to the standing of Domestic Industry:-

9. ARGUMENTS BY PETITIONER

- (i) M/s. SRF Limited, M/s. Nirlon Limited, M/s. Century Enka Limitd and M/s. NRC Limited constitutes the domestic industry in the present case. The imports by M/s. SRF from M/s. SRF Dubai does not amount to imports of allegedly dumped articles and consequently the question of excluding M/s. SRF from the scope of domestic industry does not arise. This position would apply keeping in view the definition of the domestic industry as it existed prior to the amendment in July, 1999.
- (ii) Without going into the the question whether the July, 1999 amendment is retrospective or prospective, in either case there is no warrant to exclude M/s. SRF from the domestic industry.
- (iii) The argument that if M/s. SRF and M/s. Baroda Rayon Corporation are eliminated, the remaining producers will account for less than 50% of the domestic production of NTCF and hence they cannot maintain an application is also incorrect. In such case, the remaining producers would constitute 100% of the eligible domestic production and would be entitled to maintain the application in their own right.

10. ARGUMENT BY EXPORTERS:

- (i) The Designated Authority ought to have applied the non amended definition of domestic industry which was applicable at the time of Initiation of present investigation. As per these Rules there is mandatory exclusion from domestic industry of certain domestic producers. The Authority has arrived its provisional findings that M/s. SRF is related M/s. SRF Overseas Limited, a known exporter of subject goods and also that it has imported the subject goods during the period of investigation from its related company. The exclusion of M/s. SRF from the scope of domestic industry is mandatory and not discretionary. The import of subject goods irrespective of its quantity is enough to invoke exclusion of M/s. SRF Limited from the scope of domestic industry.
- (ii) Besides, M/s. SRF, M/s. Baroda Rayon Corp. are also related to M/s. Thai Baroda Industries Limited. The exclusion of M/s. SRF and M/s. Baroda Rayon Corporation, would have the significance of eliminating domestic producers together accounting for more than 50% of Indian domestic production of subject goods from the purview of domestic industry. As such the balance domestic producers together account for less than 50% of Indian domestic production and they cannot constitute domestic industry for the purpose of Rule 2(b). As such the application filed on behalf of domestic producers other than M/s. SRF and M/s. Baroda Rayon Corporation cannot be an application on behalf of domestic industry. Therefore, the present investigation is not maintainable and must be terminated.

11. EXAMINATION BY AUTHORITY

- (i) The issue with regard to the standing of the petitioner has been examined by Designated Authority. Rule 2(b) and Rule 5(3)(a) of the Anti-Dumping Rules are relevant in this regard.
- (ii) The Anti Dumping investigations in the matter were initiated by the Designated Authority on 26.2.99. The petition has been filed by four of the domestic producers of NTCF in India, i.e. M/s SRF Ltd., M/s Nirlon Ltd., M/s Century Enka Ltd. and M/s NRC Ltd. Further, the petition has been supported by another domestic producer of NTCF M/s Baroda Rayon Corp.

- (iii) Thus, based on the evidence available on record, the petition was filed by four of the domestic manufacturers and was supported by one other manufacturer. None of the domestic manufacturers of the subject goods had opposed the petition. Hence, the petition had requisite support of domestic industry for initiation of investigation as required under Rule 5(3) (a) of the Anti-Dumping Rules as were prevalent on 26.02.1999.
- (iv) During the course of investigation, it was brought to the notice of Designated Authority that M/s SRF Ltd., one of the petitioners in present investigation had imported on insignificant quantity of NTCF from M/s SRF Overseas Ltd. a related company. It was further brought to the notice of Designated Authority that M/s Baroda Rayon Ltd., one of the domestic producers are related to M/s Thai Baroda Industries Ltd., against whom the investigation have been initiated.
- (v) The Anti Dumping Rules (Rule 2(b)) had been amended on 15th July, 1999 inter-alia with regards to the status of the domestic industry. Hence at the point of time of examining these facts that was brought to the notice of the Designated Authority, the Authority observed in its preliminary findings that since the imports by M/s SRF Ltd represent only 0.24% of the total imports from the subject countries during the Period of Investigation (POI), under the revised Rule 2(b), such insignificant quantum of imports would not justify exclusion of M/s SRF Ltd. from the scope of domestic industry.
- (vi) The issue with regard to the standing of the domestic industry was also examined by the Authority with reference to the Rules as it existed prior to 15th July, 1999. The Rule 2(b) provides that the domestic industry shall be deemed to exclude such domestic producers who are related to the exporters or importers of the alleged dumped articles or are themselves importers thereof. These provisions have to be read with provisions of Rule 5(3) (a) of the relevant Rules. Even, considering that M/s SRF Ltd and M/s Baroda Rayon Ltd. are related to the importers or are themselves importers, as per Rule 2(b) of the Rules as existing prior to 15th July, 1999, the domestic industry would be represented by only M/s Nirlon Ltd., M/s Century Enka Ltd. and M/s NRC Ltd. In such an eventuality the petition had the support of 100% of the domestic producers of NTCF.
- (vii) Thus, the domestic producers had the requisite standing to represent the domestic industry as required under the Rules even prior to the amendment in the Anti Dumping Rules on 15th July, 1999.
- (viii) In view of the foregoing, Authority holds that the Petitioners had requisite standing to file the petition, as required under the rules and the present petition has been filed on behalf of domestic industry.

G. **NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN:**

12. The submissions made by petitioners and other interested parties with regards to Normal Value, Export Price and Dumping Margin and its examination by the Authority is discussed, herein under:-

13. **ARGUMENT BY THE PETITIONER:**

- (i) It has been claimed by the exporters that dipped fabric is being sold in the domestic market and only grey fabric has been exported to India. The Authority has accepted the claims of exporters and determined the normal value based on constructed cost of production of grey fabric with the addition of selling, General Administration cost and profits. As required under the Rules the selling price and cost of production of dipped fabric should be examined by the Authority in order to determine the SGA and profit margin earned on sale of dipped fabric. The SGA cost and profit margin on dipped fabric should be added to the cost of production of grey fabric in order to arrive at Normal Value.
- (ii) While determining the Constructed Cost of Production of grey fabric, the Authority has allowed deduction on account of packing charges, commission on sales and inland freight in one case and packing cost and clearance and handling cost in respect of other. The deduction from the normal value towards packing charges should not be allowed in view of the fact that similar deduction from export price have not been sought / allowed. The deduction on this account should be made only if these expenses are already part of cost of production.
- (iii) As noted by the Authority in its primary determination, exporter M/s. Hyosung, Korea did not make available the details of cost of production for verification. The Authority has, therefore, considered normal value based on constructed cost of production provided at the time of initiation with appropriate adjustments. In view of the non-cooperation by exporter from Korea, Normal Value should be based on Constructed Cost provided by domestic industry without any adjustments.
- (iv) In case of non-cooperating exporters, the export price should be based on the lowest export price reported by the cooperative exporter.

14. ARGUMENT BY EXPORTER:

- (i) For determination of Normal value, Export price and Dumping margin, no disclosure has been made of actual figures in respect of exporters M/s. Formosa Taffeta Co. Ltd., M/s. Hyosung Corp. and M/s. Thai Baroda Industries Ltd. and methodology adopted for the same.
- (ii) While arriving at the Normal Value, the Authority seems to have taken a very high margin which cannot be reasonable in stead of figures of margin disclosed by exporter which is much lower. No reason as to why this margin as given by exporters is not reasonable has been assigned by Authority when it accepted the exporters cost of production.
- (iii) The Authority has arrived at weighted average price without taking into consideration the differences between NTCF of different deniers or ply or width which results in significant differences in prices of these goods as well as their use and interchangeability.
- (iv) The dumping margin in case of M/s. Formosa Taffeta may please be re-assessed based on export sales of all the deniers and based on the information verified by the Designated Authority.

H. EXAMINATION BY THE AUTHORITY:

15. The issues raised by the interested parties and the Normal Value, Export Price and Dumping Margin in respect of individual exporters are discussed herein under:-

(a) M/S. PTGT PETROCHEM INDUSTRIES, INDONESIA:

The determination of Normal Value, Export Price and Dumping Margin in the Preliminary determination has not been contested by M/s. PTGT Petrochem Industries, Indonesia. In view of the same, the Authority confirms the Normal Value in respect of M/s. PTGT Petrochem Industries at US\$ **** Per Kg and Ex-factory Export Price at US\$ **** Per Kg. Thus, the Authority assesses the dumping margin in respect of M/s PTGT Petroleum Industries at US\$ ****Per Kg. or 9.26%.

(b) **M/S. FORMOSA TAFFETA CO. LTD., TAIWAN.**

The exporter M/s. Formosa Taffeta Co. Ltd. requested for re-assessment of Dumping Margin keeping in view of the information made available by the exporter and verified by the Authority. The exporter specifically requested that the dumping margins be re-assessed based on the weighted average export price for all the grades/deniers of NTCF. Based on information made available to the Authority, Normal Value in case of M/s. Formosa Taffeta Co. Ltd., based on its average cost of production for different deniers of NTCF, is assessed by Authority as US\$ **** per Kg. after allowing deduction on account of packing and clearing and handling charges. The export price in case of M/s. Formosa Taffeta Co. Ltd. has been considered by Authority based on the weighted average export price for different deniers during the POI. The company exported 3095 MT of NTCF at an average CIF Price of US\$**** per kg.. After allowing the expenses on account of Ocean Freight, Insurance, Commission, Inland Freight, Packing, Clearing and Handling, the Ex-factory price in case of M/s. Formosa Taffeta Co. Ltd. is assessed by Authority at US\$**** Per Kg. Thus, the Dumping Margin for M/s. Formosa Taffeta Co. Ltd. is assessed at US\$**** or 2.06%.

(c) **M/S. HYOSUNG CORPORATION, SOUTH KOREA:**

The Normal Value in case of M/s. Hyosung Coporation,, South Korea was determined by Authority based on constructed cost of production for the exporter on the basis of information furnished by petitioner, as the requisite details on actual cost of production was not made available by the exporter. Subsequent to the Preliminary determination, although the exporter claimed de-minimus dumping margin and has requested for separate denier-wise assessment of the dumping margin, no other additional information has been furnished by the exporter. As observed in the Preliminary Findings, the Authority verified the information on cost of production furnished by the exporter. During verification, Authority solicited additional information with regards to cost of production like prices of raw materials, basis of allocation of expenses duly reconciled with Audited Accounts along with supporting evidence etc. These details along with the supporting evidence has not been furnished by the exporter. The Authority has, therefore, constructed the cost of production in case of M/s. Hyosung Corporation, South Korea based on the information furnished by petitioner. Further since subsequent to Preliminary Findings also, no additional information, as requested by the

Authority during verification, was furnished, Authority has considered the Normal Value in case of M/s. Hyosung Corporation, as claimed by the petitioner. Accordingly, the Normal Value in case of M/s. Hyosung Corporation is assessed by Authority at US\$**** Per Kg.

The Authority has considered the export price in case of M/s. Hyosung Corporation, South Korea based on the average CIF price of various grades of NTCF exported by it during POI, after allowing adjustments for Credit cost, Overseas freight, Insurance, Commission and Inland freight. Thus, the export price in case of M/s. Hyosung Corporation has been considered by the Authority as US\$**** per Kg.

Thus, the Dumping Margin in case of M/s. Hyosung Corporation, South Korea is assessed by Authority at US\$ **** Per Kg. or 38.64%.

(d) **M/S. THAI BARODA INDUSTRIES LTD, THAILAND**

The Authority had considered normal value in case of M/s Thai Baroda Industries Ltd based on its actual cost of production of subject goods during POI. The exporter requested for separate assessment for different deniers of NTCF. The Authority notes that the manufacturing process and manufacturing facilities for different deniers are identical. Moreover, there is no significant variance in the manufacturing cost of these deniers. Therefore, the Authority has considered average cost of production and average export prices for all the deniers for assessment of dumping margin. The normal value based on cost of production of M/s Thai Baroda Industries Ltd. has, therefore, been considered by the Authority at US\$**** per Kg.. The ex-factor export price after considering adjustments for ocean freight including trucking charges, customs services, port charges and shipments expenses. as per actuals has been considered by the Authority at US\$ **** per Kg.. Thus, the dumping margin in case of M/s Thai Baroda Industries Ltd. has been considered by the Authority at US\$ ****per Kg. or 67.33%.

I. **DUMPING MARGIN IN CASE OF NON-COOPERATING EXPORTERS**
16. **ARGUMENTS BY PETITIONERS**

Even though the Authority has determined a high Dumping Margin for other non-cooperative exporters, the rate of duty recommended is the same for both cooperative and non-cooperative exporters. In order to ensure that there is no premium on non-cooperation, the actual Anti-Dumping Duty recommended in case of non-cooperative exporters should also be higher than that for cooperative exporters. Therefore, the export price in case of non-cooperative exporters should be based on the lowest export price for cooperative exporters.

17 **EXAMINATION BY AUTHORITY**

The Authority assessed dumping margins in case of non-cooperative exporters based on the best available information. Accordingly, in case of non-cooperative exporters, the Authority considered normal value based on the information made available by the petitioner. The export price in case of non-cooperative exporters was assessed by the Authority based on the export prices in case of cooperative exporters. The Authority agrees that there should be no premium to the non-cooperative exporters and there should be differential duty between the cooperative and the non-cooperative exporters. Therefore, the Authority has reassessed the dumping margins in case of non-cooperative exporters from the subject countries. Accordingly, the normal value in case of non-cooperative exporters has been assessed by the Authority, as claimed by the petitioners. For the purpose of export price, the Authority has considered the lowest CIF price transaction of cooperative exporters during the period of investigation. The deduction have been allowed by Authority from CIF prices based on actuals in case of cooperative exporters from subject countries, to arrive at Ex-factory export price.

- (ii) Based on the above, the Dumping Margin from individual exporters from subject countries are assessed by Authority as under:-

Sl.No.	Country	Normal Value per kg(US \$)	Export Price per kg (US \$)	Dumping Margin %
1.	<u>South Korea:</u>	****	****	38.64
	(i)M/s. Hyosung Corporation			
	(ii)All Other Exporters	****	****	54.28
2.	<u>Indonesia:</u>	****	****	9.26
	(i)M/s. PTGT Petrochem Industries			
	(ii) All Other Exporters	****	****	92.54
3.	<u>Thailand:</u>	****	****	67.33
	(i)M/s.Thai Baroda Industries Ltd			
	(ii)All Other Exporters	****	****	17.28
4.	<u>Taiwan:</u>	****	****	2.06
	(i)M/s. Formosa Taffeta Co. Ltd.			
	(ii) All Other Exporters	****	****	86.51

Contd....13/-

J. INJURY AND CAUSAL LINK:
18. ARGUMENT BY EXPORTERS:

- (i) In the Preliminary Findings, the Authority has not disclosed any actual figures for change in market share, profit, prices, sales, utilisation of capacity and closing stocks. By not disclosing actual figures for this data the Preliminary Findings have failed to disclose the manner in which material injury has been allegedly caused to the domestic industry by imports from subject countries.
- (ii) The quantum of imports of subject goods to India are much lower than the quantum of production of subject goods in India. As such it cannot be suggested that on account of such imports there is any material injury to domestic industry.
- (iii) The total domestic production is less than total domestic demand of subject goods. As a result the short fall in demand per force has to be met through imports. In view of this fact, no allegation can be made that the imports from subject countries are causing material injury to the domestic industry.
- (iv) Imports of subject goods into India are on the decline and the volume of imports in the POI have fallen by about 2% in comparison with the volume of imports made the same period in the previous year. Similarly, the capacity utilisation and the production by Indian domestic producers have increased. As such there is no material injury to domestic industry.
- (v) M/s. SRF Limited which is a major producer of subject goods accounting for over 45 % of the domestic production cannot be said to be suffering any material injury as it is making very high profits on the subject goods. The company has earned very goods returns on capital employed. The profitability on account of subject goods is likely to be similar for other Indian domestic producers since the prices of subject goods is similar for other manufacturers also. Some of the companies that are not showing such profits in their balance sheet on an overall basis are not doing well on the other products in spite of good profitability from the subject goods.
- (vi) The Anti-Dumping Duty is imposed to remove injury caused or threat of any injury to domestic industry and is not to ensure high rates of profits to domestic industry.

19. EXAMINATION BY THE AUTHORITY:

- (i) In the assessment of injury to Domestic Industry from Dumped imports, the Designated Authority makes an evaluation of all the relevant economic parameters having a bearing on the state of the Domestic Industry. The Authority considered various parameters of injury like quantum of imports, its impact on the market share, the profitability of Domestic Industry from subject goods, the sales volumes, sales realisation, production. An analysis of these parameters collectively indicate material injury to Domestic Industry. Some of the parameters on injury to Domestic Industry have been claimed by petitioners to be of confidential nature and have been so considered by Authority, as required under the Rules. However, a non-confidential summary of all the confidential data was furnished by petitioners for reference and comments by other interested parties. As regards the arguments by the exporters that the total domestic production is less than the demand of the subject goods and the shortfall has to be met through imports, Authority holds that the purpose of Anti-Dumping Duty is not to curb any fair imports of the subject goods. The Authority considers for imposition of Anti-Dumping Duty only if the subject goods are exported at an unfair price causing injury to the Domestic Industry.
- (ii) As regards the profitability of one of the major producer of NTCF in the Domestic Industry i.e. M/s. SRF Ltd., the Authority notes that the investigation have been limited to the performance of the Domestic Industry during the POI. The exporters have referred to subsequent improvement in the performance and profitability of M/s. SRF Ltd., which is not relevant to the present investigation. The improvement in profitability of M/s. SRF Ltd. during 1998-99 has been noted by the Authority to be on account of financial restructuring through induction of fresh equity, repayment of borrowings and corresponding decline in incidence of interest cost. In case of a multi-product company, the improvement in profitability from the product under consideration is a more relevant factor, as far as Anti-Dumping investigations are concerned. The Authority notes that M/s. SRF Ltd. is a multi-product company and has incurred losses for operation from subject goods during the POI.
- (iii) An analysis of the parameters of injury reveals that there has been a increase in the quantum of imports from subject countries, the subject goods have been exported to India at a price below its Normal Value, the

market share of domestic industry has declined, there has been a decline in the profitability of Domestic industry from subject goods. The production, capacity utilisation and sales realisation of the domestic industry, has also declined. All these factors collectively indicate that the domestic industry has suffered injury due to dumped imports from the subject countries.

K. **OTHER ISSUES RAISED BY INTERESTED PARTIES:**

20. **ARGUMENT OF PETITIONERS:**

The Fair Selling Price(FSP) should be based on weighted average cost of production of domestic producers without any adjustments and profit margin should be added not on actual basis but a margin which domestic industry would have earned but for dumping.

21. **EXAMINATION BY AUTHORITY:**

The Authority has assessed the Non-injurious Selling Price for Domestic industry based on actual cost of production of Domestic industry during the POI based on the Generally Accepted Accounting Principles. In the determination of Non-injurious selling price for Domestic industry, the Authority has made appropriate analysis of all the relevant factors and the profits/returns have been allowed on the capital employed on reasonable basis.

22. **ARGUMENT OF PETITIONERS:**

The landed values should be equal to CIF price plus 1% thereto towards landing charges and 40% Custom duty. The additional 2% handling charges is not warranted and has resulted in under statement of injury margin.

23. **EXAMINATION BY AUTHORITY:**

The Authority follows a consistent practice of adding 1% towards landing charges and 2% handling charges in determination of landed value of exports in all cases. Further, in the instant case, none of the interested parties have submitted information on actual landing or handling charges.

24. ARGUMENT BY EXPORTERS AND IMPORTERS:

- (i) The petition is not maintainable, as this has been filed by the Association of Synthetic Fibre Industry (ASFI). The present application is not an application filed by or on behalf of domestic industry and such an application cannot form the basis for Initiation of investigation under the Rules. In the absence of any express authorization and express support, ASFI cannot file an application purport to be either by or on behalf of domestic industry.

EXAMINATION BY AUTHORITY

The Anti-Dumping Rules requires that the Designated Authority shall initiate an investigation to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping upon receipt of a written application by or on behalf of the Domestic industry. In the instant case, the petition has been filed on behalf of the Domestic Industry by the Association of Synthetic Fibre Industry (ASFI).

- (ii) The subject goods are being imported to India from various countries other than the subject countries mentioned in the Initiation Notification. As required under the Rules, Anti-Dumping Duty shall be imposed on a non-discriminatory basis and applicable to all imports of such articles from whatever sources found to be dumped.

EXAMINATION BY AUTHORITY:

The Authority had initiated investigations against exporters from specified countries alleged to be dumping the subject goods. Based on present investigation, wherever the dumping of subject goods has been substantiated, based on the evidence made available to the Authority, the Authority has recommended for imposition of Anti-Dumping Duty. Therefore, the recommendations for imposition of Anti-Dumping Duty is not discriminatory as stated.

- (iii) The duties recommended for different exporters are disproportionate and contradictory to the respective percentage of dumping.

EXAMINATION BY AUTHORITY

The Anti-Dumping Rules, requires, the Authority to recommend the amount of duty equal to Dumping Margin or less, which if levied, would remove injury to domestic industry for this purpose. The Landed Value of imports of subject goods was compared with the Non-injurious selling price of petitioner companies. Therefore, in the instant case, Authority has recommended for levy of Anti-Dumping Duty equal to lower of Dumping Margin or Injury Margins.

- (iv) The reasonable selling price of NTCF in India for domestic industry is stated to be obtained by considering the optimum cost of production for domestic industry. However, no opportunity was provided to examine the basis for taking such reasonable selling price into account or for challenging the methodology for calculating the same.

EXAMINATION BY AUTHORITY

The Authority had called for information on cost of production from Domestic Industry. The cost data was made by available by Domestic Industry on confidential basis and was verified by Designated Authority and has been considered to be confidential.

L. FINAL FINDINGS:

25. The Authority, after considering the foregoing, concludes that:

- (a) Nylon Tyre Cord Fabric (NTCF) originating in or exported from subject countries has been exported to India below its normal value, resulting in dumping;
- (b) the domestic industry has suffered material injury;
- (c) the injury has been caused to the domestic industry by the dumping of the subject goods originating in or exported from subject countries.

26. To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the petitioner companies, the Authority has relied upon Non-injurious selling price of NTCF in India for the petitioner companies, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the petitioner companies.

27. The landed value has been determined on the basis of export price of NTCF from subject countries determined as detailed above in the para relating to dumping, after adding the prevailing level of customs duties and one percent landing and two percent handling charges.

28. The Authority considered to recommend the amount of Anti-Dumping Duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to domestic industry. The average landed price of the imports, for the purpose, was compared with the Non-injurious selling price of the petitioner companies, determined for the period of investigations. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. Accordingly, the Authority confirms the preliminary findings and recommends for imposition of definitive Anti-Dumping duties, on all imports of NTCF originating in or exported from South Korea, Indonesia,

Thailand and Taiwan. The anti-dumping duty shall be the amounts indicated in the table below on all the imports of Nylon Tyre Cord Fabric falling under Chapter 59 of the Customs Tariff, originating in or exported from the countries mentioned below :-

S. No.	Countries/Exporters	Amount of Duty (Rs per Kg.)
1.	<u>South Korea</u>	
	M/s. Hyosung Corp.	4.30
	Other Exporters	25.02
2.	<u>Indonesia</u>	
	M/s. PTGT Petrochem Industries	1.77
	Other Exporters	9.47
3.	<u>Thailand</u>	
	M/s. Thai Baroda Industries Ltd.	4.22
	Other Exporters	28.91
4.	<u>Taiwan</u>	
	M/s. Formosa Taffeta Co. Ltd.	2.39
	Other Exporters	20.57

29. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9 or 9A, as the case may be, of the Customs Tariff Act, 1975.
30. Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings dated 5.10.1999.
31. An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority